निगम आयुक्त ने किया भागीरथपुरा क्षेत्र का निरीक्षण

- नागरिकों से संवाद कर जल प्रदाय व्यवस्था की ली जानकारी
- सड़क निर्माण कार्यों के संबंध में दिए आवश्यक दिशा निर्देश

इंदौर. नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा आज भागीरथपुरा क्षेत्र का निरीक्षण किया गया. निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त नरेंद्र नाथ पांडे, जोनल अधिकारी आनंद रैदास सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे.

निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त श्री सिंघल ने क्षेत्र में प्रगतिरत नर्मदा जल प्रदाय लाइन, सीवरेज लाइन एवं सड़क निर्माण कार्यों का स्थल पर जाकर अवलोकन किया. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं, जिससे नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें. आयुक्त ने भागीरथपुरा क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को चल रहे सड़क निर्माण एवं रेस्टोरेशन कार्य के नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए.

निरीक्षण के दौरान आयुक्त श्री सिंघल ने क्षेत्रीय नागरिकों से संवाद कर जल प्रदाय व्यवस्था की जानकारी ली. नागरिकों से पूछा गया कि उन्हें पानी समय पर मिल रहा है या नहीं. इस पर नागरिकों ने संतोष व्यक्त करते हुए बताया कि जल आपूर्ति नियमित रूप से प्राप्त हो रही है.

क्लोरिनेशन प्रक्रिया नियमित करें

इस अवसर पर आयुक्त ने जल प्रदाय व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जल प्रदाय के दौरान नियमित सैंपलिंग करने तथा क्लोरिनेशन प्रक्रिया को लगातार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो. उल्लेखनीय है कि भागीरथपुरा के 95 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में पाइप लाइन से जल वितरण व्यवस्था को पुनर्स्थापित करने का कार्य पूर्ण हो गया है और पाइप लाइन से जल वितरण किया जा रहा है तथा शेष क्षेत्र में कार्य जारी है, शेष क्षेत्र में टैंकर से जलप्रदाय किया जा रहा है.

जांच आयोग ने फिर मांगा हाईकोर्ट से समय

- मामला भागीरथपुरा दूषित पानी कांड का

नव भारत न्यूज

इंदौर. भागीरथपुरा दूषित पानी कांड में हाईकोर्ट द्वारा गठित जांच आयोग ने रिपोर्ट देने के लिए फिर समाज मांगा है. भागीरथपुरा की रिपोर्ट पहले 22 अप्रैल को देना थी, लेकिन जांच आयोग ने 14 जून तक का समय और देने के मांग की है. उक्त मामले में 16 जून को सुनवाई होगी.

भागीरथपुरा में जहरीले पानी से 35 लोगों के मौत हो गई थी. इस मामले को लेकर विभिन्न संगठनों ने जांच आयोग गठित करने की मांग की थी. इसके अलावा अलग अलग अधिवक्ताओं ने हाईकोर्ट डबल बेंच में याचिका भी दाखिल कर की है. उक्त घटना के लिए हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश सुशील गुप्ता की एक सदस्यीय आयोग गठित किया था. घटना की विभिन्न बिंदुओं पर सबूतों और दस्तावेज एकत्र कर रिपोर्ट देने का कहा था. इसमें मुख्य रूप से घटना का असली कारण, मौत का आंकड़ा और पीड़ितो को मुआवजा देने की जानकारी एकत्र करना है. वहीं वरिष्ठ अधिवक्ता अजय बागड़िया ने कोर्ट में मुद्दा उठाया कि पानी केमिकल युक्त सप्लाई किया गया था. जांच आयोग ने उक्त बिंदु को भी जांच में शामिल कर लिया. जांच आयोग ने एक माह के बाद समय बढ़ाने के मांग की थी और 22 अप्रैल तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का कहा था. दो दिन पहल आयोग द्वारा हाईकोर्ट में पत्र के माध्यम से समय बढ़ाने की मांग की, जिसे हाईकोर्ट ने स्वीकार करते हुए 14 जून तक का समय दिया. हाईकोर्ट में भागीरथपुरा घटना की 16 जून को सुनवाई होगी.

हत्याकांड के दो फरार आरोपी भी गिरफ्तार

- सागर में मामा के घर छिपे हुए थे दोनों आरोपी
- पड़ोसी की सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर दबोचा

इंदौर. हीरानगर क्षेत्र में हुए सुरेंद्र साहू हत्याकांड के फरार चल रहे दो आरोपियों को पुलिस ने सागर के पास से गिरफ्तार कर लिया. दोनों आरोपी मामा के घर छिपे हुए थे, लेकिन पड़ोसी की सतर्कता से उनका ठिकाना पुलिस तक पहुंच गया.

पुलिस के अनुसार, आरोपी आशीष राजपूत और आकाश फरारी के दौरान सागर के ग्राम बिनाका में अपने मामा के घर रुके थे. मामा के पूछने पर आशीष ने बताया कि उसके दोस्तों के हाथों इंदौर में हत्या हो गई है और वह भागकर यहां आया है. यह बातचीत पास में रहने वाले पड़ोसी ने सुन ली और तुरंत पुलिस को सूचना दे दी. सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुशील पटेल की टीम मौके पर पहुंची. पुलिस को देखते ही दोनों आरोपी भागने लगे, लेकिन जल्दबाजी में गिर पड़े और टीम ने मौके पर ही उन्हें दबोच लिया. इसके बाद दोनों को हिरासत में लेकर इंदौर लाया गया.

पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई के साथ ही हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है.

पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर एसीपी रूबिना मिजवानी, टीआई सियाराम गुर्जर और टीआई सुशील पटेल की टीम लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी.

क्रेडिट कार्ड बंद कराने के बहाने बैंककर्मी युवती से 2 .47 लाख की ठगी

- फर्जी कॅस्टमर केयर कॉल से ऐप डाउनलोड कराकर खाते से उड़ाए रुपए

नव भारत न्यूज

इंदौर. एक निजी बैंक में फाइनेंस रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर कार्यरत 25 वर्षीय युवती ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गई. आरोपी ने क्रेडिट कार्ड बंद कराने के नाम पर उसे झांसे में लेकर 2 लाख 47 हजार रुपए निकाल लिए. पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

मल्हारगंज थाना में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार युवती का एचडीएफसी बैंक में खाता है और जनवरी 2026 में उसे क्रेडिट कार्ड जारी हुआ था. कार्ड की जरूरत नहीं होने पर उसने अप्रैल में गूगल पर कस्टमर केयर नंबर सर्च किया. 14 अप्रैल को आए कॉल में आरोपी ने खुद को बैंक कर्मचारी बताते हुए उससे बातचीत की और कार्ड से जुड़ी जानकारी लेकर भरोसा कायम किया.

भरोसे में लेकर पे जिप ऐप डाउनलोड कराकर की ठगी-आरोपी ने क्रेडिट कार्ड बंद कराने की प्रक्रिया बताकर युवती से मोबाइल में पे जिप ऐप डाउनलोड करवाया और लॉगिन कराया. उसने 48 घंटे में कार्ड बंद होने का आश्वासन दिया. कॉल समाप्त होने के बाद युवती के क्रेडिट कार्ड से लगातार 5 ट्रांजेक्शन हुए, जिनमें 2.47 लाख रुपए निकल गए. रकम कटने की जानकारी उसे मैसेज के जरिए लगी. घटना के बाद युवती ने बैंक से संपर्क किया, लेकिन तत्काल समाधान नहीं मिला. इसके बाद साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई गई. पुलिस अब ट्रांजेक्शन और कॉल डिटेल के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है.

मकान प्लॉट बेचने के नाम पर 15 लाख की ठगी

इंदौर . द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में मकान और प्लॉट बेचने के नाम पर 15 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है .न्यू द्वारकापुरी में रहने वाली 38 वर्षीय तृप्ति लश्करी ने शिकायत दर्ज कराई है कि 30 वर्षीय अमित शर्मा निवासी न्यू द्वारकापुरी ने मकान और प्लॉट बेचने का झांसा देकर उनसे 15 लाख रुपए ले लिए बाद में न तो संपत्ति दी गई और न ही रकम वापस की गई मामले में पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है .

एक नजर में

एमसीटीई में आसमान से आती चुनौती पर मंथन

महू. मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (एमसीटीई) में ड्रोन हमलों, साइबर खतरों और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम से जुड़ी चुनौतियों पर उच्चस्तरीय सेमिनार हुआ. सेमीनार में सीमा सुरक्षा बल और पुलिस के अधिकारियों ने समग्र राष्ट्रीय दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया. विशेषज्ञों ने कम लागत वाले व्यावसायिक ड्रोन के बढ़ते उपयोग को सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बताया. शहरी और सीमावर्ती क्षेत्रों में कम ऊंचाई पर उड़ने वाले ड्रोन की पहचान और ट्रैकिंग को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया गया. दूसरे सत्र में साइबर और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक क्षमताओं के समन्वय से सूचना श्रेष्ठता हासिल करने के उपायों पर विचार-विमर्श हुआ. इस अवसर पर कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल प्रवीण बख्शी ने कहा कि केवल तकनीकी विकास पर्याप्त नहीं है, बल्कि विभिन्न एजेंसियों के बीच मजबूत समन्वय भी उतना ही जरूरी है. उन्होंने सेना, बीएसएफ और पुलिस के बीच संयुक्त और बहु-एजेंसी दृष्टिकोण को समय की आवश्यकता बताया.

नहीं मिल रहा सिंचाई का पानी, ज्ञापन में की मांग

महू. भगोरा के किसानों ने महेश्वर जानापाव उद्वाहन सिंचाई परियोजना में ग्राम भगोरा के नाम जोड़ने के लिए किसान व सरपंच ने मिलकर एनवीडीए के एसडीओपी कल्याण सिंह खंगार को ज्ञापन सौंपा और गांव की कृषि भूमि के बारे में जानकारी दी. अभी जो योजना का पानी मिल रहा है, वह हमें प्रॉपर तरीके से नहीं मिल रहा है, जबकि ग्राम भगोरा में 700 हेक्टेयर कृषि भूमि है, जिसमें सिंचाई परियोजना का पानी 400 हैक्टेयर पर लाइन बिछाई गई है, लेकिन वह भ्रष्टाचार के कारण सुचारू रूप से कार्यरत नहीं है, बार-बार लीकेज हो रही है और जो 300 हेक्टेयर कृषि भूमि बची है, पानी की बहुत समस्या है. इसलिए किसानों ने महेश्वर जानापाव उद्वहन सिंचाई परियोजना का जो पानी आने वाला है, उसमें ग्राम भगोरा का भी नाम जोड़ा जाए.

शराब दुकान का विरोध, महिलाओं ने किया चक्काजाम

महू. किशनगंज थाना क्षेत्र स्थित कॉसमॉस कॉलोनी के मुख्य द्वार पर शराब की दुकान खोले जाने के विरोध में महिलाएं सड़क पर उतर आईं. बड़ी संख्या में पहुंचीं महिलाओं ने महू-नीमच मार्ग पर चक्काजाम कर दिया. किशनगंज थाना क्षेत्र के महू नीमच रोड पर स्थित कॉसमॉस सिटी की महिलाओं एवं पुरुषों ने वाइन शॉप के विरोध में प्रदर्शन करते हुए चक्काजाम किया. ज्ञात हो पूर्व में कॉस्मो सिटी के पास में ही चिनार वाली कॉलोनी में शराब दुकान लगने वाली थी, जिसका विरोध कर लोगों ने वहां पर दुकान नहीं लगने दी थी, अब वही ठेकेदार की शराब दुकान कॉसमॉस सिटी के गेट पर लगने जा रही है. इसके विरोध में लगभग 100 से 150 महिला एवं पुरुषों विरोध प्रदर्शन करते हुए रोड जाम कर दिया. आंदोलनकारियों का कहना है कि पिछले दिनों हमने उच्च अधिकारियों को ज्ञापन दिए, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई, इसलिए हमें रोड जाम करना पड़ रहा है.

पुलिस पर आरोप लगाने वाला व्यापारी निकला आदतन अपराधी

- कई जिलों में वारंट, मारपीट-चेक बाउंस के केस हैं दर्ज
- पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई के बीच हुआ नया खुलासा

इंदौर. लसूड़िया थाना क्षेत्र में पांच पुलिसकर्मियों के खिलाफ शिकायत करने वाला व्यापारी गौरव जैन खुद आपराधिक मामलों में लिप्त निकला है. उसके खिलाफ ग्वालियर में दो और झाबुआ व शाजापुर में एक-एक गिरफ्तारी वारंट जारी हैं. इसके अलावा मारपीट और चेक बाउंस के मामले भी दर्ज हैं. पुलिस जांच में यह तथ्य सामने आए हैं.

ज्ञात हो कि गौरव जैन ने गुरुवार 16 अप्रैल को पुलिस कमिश्नर और डीसीपी से शिकायत की थी कि वारंट तामिली के दौरान एसआई संजय विश्नोई, हेड कांस्टेबल रणवीर कुशवाह, प्रणीत भदौरिया, दिनेश गुर्जर और दीपेंद्र मिश्रा जबरन उसके घर में घुसे, तोड़फोड़ की और उसे पकड़कर ग्वालियर ले गए. शिकायत के बाद पांचों पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया था. जांच के दौरान गौरव जैन के खिलाफ कई आपराधिक प्रकरण सामने आए. रिटायर्ड एसीपी राकेश गुप्ता ने भी उस पर मानसिक प्रताड़ना का केस दर्ज कराया था. उन्होंने बताया था कि गौरव ने उन्हें 100 से ज्यादा कॉल किए और धमकियां दीं, जिसकी ऑडियो रिकॉर्डिंग भी पुलिस को सौंपी गई है.

आरोपी की पत्नी ने जज के पति के खिलाफ दर्ज कराया था केस

जानकारी के मुताबिक गौरव का एक विवाद किराए के फ्लैट को लेकर भी चल रहा है. उसकी पत्नी ने जज के पति विवेक के खिलाफ महिला संबंधी अपराध का केस दर्ज कराया था, जबकि फ्लैट खाली करने को लेकर मामला कोर्ट में विचाराधीन है. आरोप है कि समझौते के लिए गौरव फ्लैट की मांग कर रहा था. दूसरी ओर विवेक ने भी गौरव के खिलाफ धमकी और गाली गलौज की एफआईआर दर्ज कराई है. गौरव ने पुलिसकर्मियों पर ग्वालियर ले जाने के दौरान 27 हजार रुपए लेने और सोना गायब करने का आरोप लगाया है. हालांकि संबंधित पुलिसकर्मी का कहना है कि निजी वाहन से ले जाने के आग्रह पर किराया और ठहरने का खर्च लिया था. इस पूरे मामले में पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए हैं और कहा है कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

महू फायरिंग रेंज के पास बम फटा, दो युवक घायल

- फायरिंग रेंज के पास शौच करने गए थे, तभी हो गया हादसा

महू. किशनगंज थाना अंतर्गत शांति धाम कॉलोनी में गुरुवार सुबह उस समय हडकंप मच गया, जब सेना की फायरिंग रेंज के पास अचानक एक बम फट गया. घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों की पहचान कमलेश पिता शिवनारायण सोलंकी (30) निवासी चिनार पार्क और सोहन पिता हरिओम सोलंकी (27) निवासी धार के रूप में हुई है. घटना सुबह 9.30 बजे की बताई जाती है.

जानकारी के अनुसार, दोनों युवक सुबह के समय शौच के लिए फायरिंग रेंज के पास गए थे. लौटते समय अचानक विस्फोट हो गया, जिसकी चपेट में आकर दोनों घायल हो गए. धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तत्काल घायलों को महू के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार जारी है. परिजनों के मुताबिक, घटना इतनी अचानक हुई कि दोनों को संभलने का मौका तक नहीं मिला. फिलहाल डॉक्टरों द्वारा दोनों की हालत पर नजर रखी जा रही है. घटना की सूचना मिलते ही किशनगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और क्षेत्र का निरीक्षण किया. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि फायरिंग रेंज में टेस्टिंग किए जाने वाले विस्फोटक का अवशेष होने से यह हादसा हुआ हो सकता है.

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की मांग

यह घटना स्थल आर्मी की फायरिंग रेंज के ठीक पीछे स्थित है. इस क्षेत्र में पहले भी कई बार ऐसे हादसे हो चुके हैं, जब लोग अनजाने में या कबाड़ समझकर विस्फोटक सामग्री को उठाने की कोशिश करते हैं. ऐसी घटनाओं में पूर्व में भी कई लोगों की जान जा चुकी है और कई स्थायी रूप से घायल हो चुके हैं. विस्फोट के बाद पूरे इलाके में भय का माहौल है. स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि फायरिंग रेंज के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं और ऐसी विस्फोटक सामग्री को समय रहते हटाया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं को रोका जा सके.

बैठे-बैठे अचानक तबीयत बिगड़ी और आ गई मौत

इंदौर. तुकोगंज थाना क्षेत्र स्थित गोटू की चाल में रहने वाले एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. बताया जा रहा है कि उसकी अचानक तबियत बिगड़ी और देखते ही देखते उसकी सांसें थम गईं. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है, ताकि मौत के सही कारणों का पता चल सके.

मृतक संजू पिता गोपाल (40) निवासी गोटू की चाल, तुकोगंज, अपने घर पर ही थे. मृतक के भतीजे ने बताया कि अचानक बैठे बैठे संजू की तबीयत खराब हो गई. घबराए परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया. शुरुआती जांच और लक्षणों के आधार पर डॉक्टरों ने दिल का दौरा पड़ने की आशंका जताई है. हालांकि, मौत की आधिकारिक पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगी. तुकोगंज पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भिजवा दिया है. पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि मौत किन परिस्थितियों में हुई.

नया कमरा लेने को लेकर विवाद में पति ने जहर खाकर दी जान

- द्वारकापुरी क्षेत्र की घटना, एमवाय अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

इंदौर. द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में पति पत्नी के बीच नए कमरे को लेकर हुए विवाद ने दुखद मोड़ ले लिया. बहस के बाद पति ने जहरीला पदार्थ खा लिया, जिसे गंभीर हालत में एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई. पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है.

पुलिस के अनुसार प्रजापति नगर निवासी 35 वर्षीय नितेश ने मंगलवार को यह कदम उठाया. घटना के बाद पत्नी नंदनी और रिश्तेदार अंकित उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन उपचार के दौरान उसकी जान नहीं बचाई जा सकी. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि नितेश पीथमपुर की एक निजी कंपनी में मशीन ऑपरेटर था. कंपनी की यूनिट पहले द्वारकापुरी में थी, जिसे बाद में पीथमपुर शिफ्ट कर दिया. इसी वजह से परिवार नया कमरा लेने की तैयारी कर रहा था. बताया गया है कि नितेश और उसकी पत्नी के बीच अलग अलग जगह कमरा पसंद करने को लेकर विवाद हुआ था. इसी बात पर कहासुनी बढ़ी और आवेश में आकर नितेश ने जहर खा लिया. फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है.

शादी समारोह में युवक पर किया हमला

इंदौर . हीरानगर थाना क्षेत्र में शादी समारोह के दौरान मामूली विवाद पर युवक से मारपीट का मामला सामने आया है . पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है .भगतसिंह नगर में रहने वाले 31 वर्षीय मोहित मोर्य ने पुलिस को बताया कि रात करीब 10 .30 बजे परिवार के साथ आनंद मिलन गार्डन में शादी समारोह में गया था .नूडल्स स्टॉल पर जगह को लेकर कहासुनी हुई, जिसके बाद आरोपी प्रिंस हार्डिया पिता रामगोपाल हार्डिया और जितेंद्र मोर्य ने गाली गलौज शुरू कर दी विरोध करने पर आरोपियों ने हाथ थप्पड़ों से मारपीट कर दी, जिससे मोहित के दाहिने कान और आंख के नीचे चोट आई . पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है .

एक नजर में

दो साल पहले डली नर्मदा लाइन कई जगह से हो चुकी है चोक, नगर निगम के पानी के टैंकर भी बहुत कम आते हैं

बूंद-बूंद पानी को तरस रहे धीरज नगर के रहवासी, पानी खरीदकर कर रहे गुजारा

इंदौर. शहर में भीषण गर्मी के बीच जल संकट गहरा गया है, यूं तो पानी की समस्या पूरे शहर में व्याप्त है. लेकिन वार्ड क्रमांक 40 के धीरज नगर में जल संकट ने विकराल रूप धारण कर लिया है. यहां के रहवासी एक-एक बूंद के लिए तरस रहे हैं. दो साल पहले यहां नर्मदा लाइन बिछाई गई थी, इसके बावजूद पानी नहीं आ रहा है, कहीं आ भी रहा है तो वह इतने कम प्रेशर से आ रहा है कि लोगों का गुजारा मुश्किल हो रहा है. जलसंकट से रहवासी परेशान हैं, लेकिन निगम अधिकारियों की कथित लापरवाही के कारण यह समस्या जस की तस बनी हुई है.

पूर्वी रिंग रोड स्थित वेलोसिटी टॉकीज के पीछे धीरज नगर सहित कई इलाकों में, जहां पुरानी पाइपलाइन बंद है और नई लाइन का लाभ नहीं मिल रहा है, निवासियों को गंदे पानी या टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है. लेकिन सरकारी टैंकर अपर्याप्त हैं और जो आ रहे हैं, वे कंडम व गंदे हैं. लोग इन टैंकरों का पानी पीने से डर रहे हैं. बैकलाइन ड्रेनेज पर अवैध कब्जों के कारण ड्रेनेज लाइन और नर्मदा पाइपलाइन एक साथ होने से सीपेज के कारण पानी दूषित हो रहा है.

धीरज नगर की गली नंबर 1 में नर्मदा लाइन पूरी तरह बंद है. रहवासियों ने बताया कि वे पिछले 30 वर्षों से यहां रह रहे हैं, लेकिन अब तक नियमित जलापूर्ति नहीं मिली. मजबूरी में लोग निजी टैंकरों पर निर्भर हैं. स्थिति और गंभीर तब हो गई, जब गली में लगाया गया सरकारी बोरिंग भी सूख गया. ऐसे में लोगों को दूर-दराज के क्षेत्रों से पानी लाना पड़ रहा है, जबकि वार्ड में ही पानी की विशाल टंकी मौजूद है. पानी की किल्लत को लेकर स्थानीय लोगों में व्यवस्था को लेकर नाराजगी है. सभी चाहते हैं कि पानी की किल्लत की समस्या का जल्द समाधान हो.

यह बोले रहवासी...

मैं यहां 30 साल से रह रहा हूं, तब से ही पानी की समस्या बनी हुई है. दो वर्ष पहले ही नर्मदा पानी की लाइन डाली गई, लेकिन वह अभी तक चालू ही नहीं हुई.

- कविता मालवीय

पानी की बड़ी समस्या बनी हुई है, आसपास के क्षेत्र में जाकर पानी लाना पड़ता है, जबकि वार्ड में ही विशाल पानी की टंकी बनी हुई है. बंद लाइन के पॉइंट चेक किए जाने चाहिए, लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं है.

- रवि सिंह

सरकारी बोरिंग पूरी तरह से सूख चुका है. निगम के पानी के टैंकर भी बहुत कम आते हैं, उससे भी पानी की पूर्ति नहीं होती. मजबूरी में हजार रुपए प्रति टैंकर हमें पानी लेना पड़ता है.

- पदमा गुज्जर